कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (सीआईईएम), कोलकाता में छात्र जागरूकता सह संवेदीकरण कार्यक्रम

16 अक्टूबर 2023, कोलकाता:

आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता ने 16 अक्टूबर, 2023 को आईसीएआर के साल भर के छात्र अभियान के अनुरूप एक जागरूकता सह संवेदीकरण कार्यक्रम के रूप में कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (सीआईईएम), कोलकाता में एक छात्र जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जागरूकता-सह-संवेदीकरण-कार्यक्रम में लगभग 50 छात्रों ने अपने सम्मानित संकाय सदस्यों के साथ भाग लिया। डॉ. संजीब शील, प्रोफेसर और प्रिंसिपल, डॉ. पुष्पितरंजन भट्टाचार्य, कॉलेजों के निदेशक, सीआईईएम और श्री गौतम बनर्जी, सचिव, सीआईईएम, टॉलीगंज ने एनआईएनएफईटी अधिकारियों को उनके छात्रों और संकायों से परिचित कराया।

सीआईईएम सोसाइटी के कॉलेजों के निदेशक डॉ. पुष्पितरंजन भट्टाचार्य ने उल्लेख किया कि इंजीनियरिंग कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और आईसीएआर संस्थानों का सहयोग राष्ट्र के लिए आवश्यक उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए एक बेहतर दृष्टिकोण प्रशस्त कर सकता है। उन्होंने कॉलेज की सुविधाओं पर प्रकाश डाला और बेहतर सहयोग के लिए आईसीएआर-निनफेट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया। पश्चिम बंगाल जूट और विभिन्न प्राकृतिक रेशों का सबसे बड़ा उत्पादक है, जिसमें पर्यावरण प्रदूषण के समाधान के लिए विभिन्न बायोडिग्रेडेबल उत्पादों के विकास की बहुत बड़ी गुंजाइश है।

डॉ. डी.पी.रे, प्रमुख सीएंडबीपी डिवीजन और प्रभारी एचआरडी सेल ने छात्र जागरूकता कार्यक्रम के महत्व की परिकल्पना की और छात्रों को राष्ट्र निर्माण में आईसीएआर-गतिविधियों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने युवा इंजीनियरों से कृषि एवं कपड़ा क्षेत्र के विकास में अपनी सेवाएं देने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

मैकेनिकल प्रोसेसिंग डिवीजन के प्रमुख डॉ. संजय देबनाथ ने "इंजीनियरिंग और कृषि अनुप्रयोगों में जियो-जूट" पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने इंजीनियरिंग और कृषि अनुप्रयोगों में जियो-जूट के अनुप्रयोग में आईसीएआर-निनफेट की गतिविधियों के बारे में छात्रों को अद्यतन किया।

एचआरडी सेल की तकनीशियन सुश्री जयिता चौधरी ने संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

यह कार्यक्रम भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "आजादी का अमृत महोत्सव" के उत्सव के अनुरूप आयोजित किया गया था।

(सूत्र: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

Student Awareness cum Sensitization Programme at Calcutta Institute of Engineering and Management (CIEM), Kolkata

October 16, 2023, Kolkata

ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering & Technology, Kolkata conducted a Student Awareness Programme at Calcutta Institute of Engineering and Management (CIEM), Kolkata as an awareness cum Sensitization Programme in alignment with ICAR's year-long student campaign on October 16, 2023. Around 50 students along with their esteemed faculty members attended the Awareness-cum-Sensitization-Programme. Dr. Sanjib Shil, Professor & Principal, Dr. Pushpitaranjan Bhattacharya, Director of Colleges, CIEM & Mr. Gautam Banerjee, Secretary, CIEM, Tollygunge introduced the NINFET officials with their students and faculties.

Dr. Pushpitaranjan Bhattacharya, Director of Colleges, CIEM Society mentioned that collaboration of Engineering Colleges, Universities and ICAR Institutes may pave a better approach for developing advanced technologies required by the nation. He highlighted the facilities of the college and requested for signing a MoU with ICAR-NINFET for better collaboration. West Bengal is the largest producer of jute and various natural fibres that have huge scope for development different biodegradable products to address of environment pollution.

Dr. D.P.Ray, Head C&BP Division & In-Charge HRD Cell envisaged the significance of student awareness programme and sensitized the students about the ICAR-activities in nation building. He urged to come forward the young engineers for rendering their service in development of agricultural and textile sector.

Dr. Sanjoy Debnath, Head, Mechanical Processing Division has given deliberation on "Geo-Jute in Engineering & Agricultural Applications". He updated students about the activities of ICAR-NINFET in application of Geo-Jute in Engineering and Agricultural Applications.

Ms. Jayeeta Choudhury, Technician of HRD Cell coordinated and ended the programme with vote of thanks.

The programme was organized in alignment with the celebration of "Azadi ka Amrut Mahotsav" to commemorate 75 Years of India's Independence.

(Source: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियाँ/ Glimpses of the programme:

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)